

भूगर्भीय निरीक्षण आख्या

भूगर्भीय निरीक्षण आख्या/आर० सी० यू० /सड़क/कुमायूँ/2015

जनपद पिथौरागढ़ के विधान सभा क्षेत्र धारचूला में राज्य योजना के अन्तर्गत रॉंथी-जुम्मा-खेला-गर्गुवा-खेत मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित 49.600 किमी० सड़क संरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

मई/2014

जनपद पिथौरागढ़ के विधान सभा क्षेत्र धारचूला में राज्य योजना के अन्तर्गत रॉथी-जुम्मा-खेला-गर्गुवा-खेत मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित 49.600 किमी० सड़क संरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या ।

1. प्रस्तावना :-

निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग अस्कोट, के उपखण्ड धारचूला के अधीन रॉथी-जुम्मा-खेला-गर्गुवा-खेत मोटर मार्ग का निर्माण करना प्रस्तावित है। अधिषासी अभियन्ता, निर्माणखण्ड, लोक निर्माण विभाग, अस्कोट के द्वारा किये गये अनुरोध पर स्थल निरीक्षण दिनांक 30/05/2014, 31/05/20014, 01/06/2014 एवं 02/06/2014 को इ० जे० एस० खोलिया, एवं श्री अशोक सिंह, सीमान्त कन्सल्टिंग कम्पनी तवाघाट, की उपस्थिति में अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया गया। स्थल का निरीक्षण -स्थल की संरचना, बनावट, भूकम्पीय, भूगर्भीय एवं पर्यावरण पारिस्थितिकी के अध्ययन हेतु किया गया ताकि प्रस्तावित भू-भाग में मोटर मार्ग के निर्माण हेतु आवश्यक सुझाव दिये जा सकें।

2. स्थिति:-

प्रस्तावित सड़क संरेखन दोबाट-रॉथी मोटर मार्ग के किमी० 6 के हेक्टा 6-8 से प्रारम्भ होता है एवं 49.600 किमी० की लम्बाई पर तवाघाट-नारायण आश्रम मोटर मार्ग पर कलम्फू पर जुड़ जाता है। स्थिति के लिए मानचित्र एवं फोटोग्राफ संलग्न हैं।

3. भूगर्भीय स्थिति:-

प्रस्तावित सड़क संरेखन, सैन्ट्रल हिमालयन सेक्टर के मध्य हिमालय में कुमायूँ क्षेत्र में स्थित है। प्रस्तावित सड़क संरेखन के भू-भाग में अल्मोड़ा क्रिस्टलाइन, मुनस्यारी फारमेशन के समतुल्य छिपलाकेदार किले फारमेशन की चट्टानें दृष्टिगोचर होती हैं जो ग्रेनाइट नाइस, क्लोराइट सिस्ट, गारनेटीफेरस ग्रेनाइट नाइस, गारनेटीफेरस क्लोराइट सिस्ट, एम्फीबोलाइट नाइस, पोरफिरिटिक ग्रेनाइट नाइस, केल्वक सिलिकेट, टूरमेलिन ग्रेनाइट नाइस के साथ क्वार्ट्ज वेन्स इण्टरबेडेड है। इन चट्टानों पर किया गया अध्ययन स्ट्राइक, तथा की दिशा तथा ज्वाइन्ट प्लेन्स के झुकाव की दिशा इस प्रकार है।

1.	30-210 उत्तर पूर्व-दक्षिण पश्चिम	26° दक्षिण पूर्व	नति
2.	70-250 उत्तर पूर्व-दक्षिण पश्चिम	14° उत्तर पश्चिम	नति
3.	30-210 उत्तर पूर्व-दक्षिण पश्चिम	55° दक्षिण पूर्व	नति
4.	80-260 पूर्व उत्तर पूर्व-पश्चिम दक्षिण पश्चिम	22° उत्तर पूर्व उत्तर	नति
5.	130-310 दक्षिण पूर्व-उत्तर पश्चिम	62° उत्तर पूर्व	नति
6.	50-230 उत्तर पूर्व-दक्षिण पश्चिम	18° दक्षिण पूर्व	नति
7.	60-240 उत्तर पूर्व-दक्षिण पश्चिम	44° दक्षिण पश्चिम	नति
8.	150-330 दक्षिण पूर्व-उत्तर पश्चिम	26° दक्षिण पश्चिम	नति
9.	30-210 उत्तर पूर्व-दक्षिण पश्चिम	8° उत्तर पश्चिम	नति
10.	40-220 उत्तर पूर्व-दक्षिण पश्चिम	18° दक्षिण पूर्व	नति
11.	100-280 पूर्व दक्षिण पूर्व-पश्चिम उत्तर पश्चिम	12° उत्तर पूर्व उत्तर	नति
12.	60-240 उत्तर पूर्व-दक्षिण पश्चिम	48° दक्षिण पूर्व	नति
13.	20-200 उत्तर पूर्व-दक्षिण पश्चिम	50° दक्षिण पूर्व	नति
14.	30-210 उत्तर पूर्व-दक्षिण पश्चिम	25° दक्षिण पूर्व	नति
15.	150-330 दक्षिण पूर्व-दक्षिण पश्चिम	20° उत्तर पूर्व	नति
16.	60-240 उत्तर पूर्व-दक्षिण पश्चिम	28° दक्षिण पूर्व	नति
17.	90-270 पूर्व-पश्चिम	10° उत्तर	नति
18.	30-210 उत्तर पूर्व-दक्षिण पश्चिम	68° दक्षिण पूर्व	नति
19.	130-310 दक्षिण पूर्व-दक्षिण पश्चिम	18° उत्तर पूर्व	नति
20.	150-330 दक्षिण पूर्व-उत्तर पश्चिम	16° उत्तर पूर्व	नति
21.	120-300 दक्षिण पूर्व-उत्तर पश्चिम	22° उत्तर पूर्व	नति
22.	110-290 दक्षिण पूर्व-उत्तर पश्चिम	22° उत्तर पूर्व	नति
23.	110-290 दक्षिण पूर्व-उत्तर पश्चिम	22° उत्तर पूर्व	नति
24.	130-310 दक्षिण पूर्व-उत्तर पश्चिम	28° उत्तर पूर्व	नति
25.	120-300 दक्षिण पूर्व-उत्तर पश्चिम	15° उत्तर पूर्व	नति
26.	150-330 दक्षिण पूर्व-उत्तर पश्चिम	28° उत्तर पूर्व	नति
27.	80-260 पूर्व उत्तर पूर्व-पश्चिम दक्षिण पश्चिम	16° उत्तर पश्चिम	नति
28.	120-300 दक्षिण पूर्व-उत्तर पश्चिम	30° उत्तर पूर्व	नति
29.	150-330 दक्षिण पूर्व-उत्तर पश्चिम	18° उत्तर पूर्व	नति
30.	70-250 उत्तर पूर्व-दक्षिण पश्चिम	27° उत्तर पश्चिम	नति
31.	90-270 पूर्व-पश्चिम	28° उत्तर	नति
32.	150-330 दक्षिण पूर्व-उत्तर पश्चिम	36° उत्तर पूर्व	नति
33.	180-360 दक्षिण-उत्तर	36° पूर्व	नति

[illegible]

[illegible]

4. स्थल वर्णन:-

प्रस्तावित सड़क संरेखन धारचूला रांथी मोटर मार्ग के किमी 0 6.00 के हेक्टा 6-8 से प्रारम्भ होता है। यह संरेखन पहाड़ी के दक्षिण पूर्वी, उत्तर पूर्वी, तथा दक्षिण पश्चिमी ढलान पर प्रस्तावित है। सड़क संरेखन क भा में 59 सूखे नाले तथा 20 पेरिनियल है यह संरेखन पहाड़ी के सामान्य/मध्य/उच्च एवं तीव्र ढलानों की श्रेणी के अन्तर्गत है। संरेखन का भाग चेतमा (रांथी) से प्रारम्भ होता है जो पडोद माणू के पास से होकर मल्ला पानीखाल, पैयाधार, अफोड़ा, पैसेरी, सेलमा, तुषारपानी, जामुनी, जुम्मा बोरा गांव, रोड़ा पालपाला दन्दुती धार(स्योकुरी) गसीला, खेला बेती-सैरी-बिन्नाली चेतकला,गर्गुवा, सौप, जम्कू एवं खेत गांवों को जोड़ते हुए तवाघाट नारायण आश्रम मोटर मार्ग पर स्थित कलम्फू पर जुड़ जाता है। सड़क संरेखन का ग्रेडिएण्ट इस प्रकार है। 0/0 से 0/30 तक 1:22 के राइज, 0/32 से 0/34 तक 1:40 के राइज, 0/43 से 1/30 तक 1:22 के राइज, 1/33 से 1/34 तक 1/40 के राइज, 1/34 से 3/24 तक 1:24 के राइज, 3/34 से 3/38 तक 1:60 के राइज, 3/39 से 4/24 तक 1:24 के फाल, 4/24 से 4/26 तक 1:40 के फाल, 4/24 से 5/12 तक 1:24 के फाल, 5/12 से 5/16 तक 1:40 के फाल, 5/17 से 6/17 तक 1:24 के फाल, 6/17 से 6/18 तक 1:40 के फाल, 6/18 से 7/6 तक 1:24 के फाल, 7/6 से 7/8 तक 1:40 के फाल, 7/9 से 8/16 तक 1:24 के फाल, 8/17 से 8/20 तक लेवल, 8/21 से 8/40 तक 1:24 के राइज, 8/41 से 8/43 तक 1:40 के राइज, 8/44 से 10/16 तक 1:24 के राइज, 10/17 से 10/18 तक 1:40 के राइज, 10/19 से 11/12 तक 1:24 के राइज, 11/13 से 11/14 तक 1:40 के राइज, 11/15 से 14/6 तक 1:24 के राइज, 14/7 से 14/8 तक 1:40 के राइज, 14/9 से 14/40 तक 1:24 के राइज, 15/0 से 15/20 तक 1:24 के फाल, 15/21 से 16/22 तक 1:30 के राइज, 16/23 से 16/38 तक 1:24 के राइज, 16/39 से 17/20 तक 1/24 के फाल, 17/21 से 17/32 तक 1:22 के राइज, 17/33 से 18/4 तक 1:24 के फाल, 18/5 से 20/15 तक 1:60 के फाल, 20/16 से 20/40 तक 1:24 के फाल, 20/41 से 21/24 तक 1:24 के राइज, 21/25 से 22/40 तक 1:30 के फाल, 23/1 से 23/8 तक लेवल, 23/9 से 23/24 तक 1:30 के फाल, 23/25 से 24/24 तक लेवल, 23/25 से 27/12 तक 1:24 के राइज, 27/13 से 28/34 तक 1:22 के फाल, 28/29 से 28/31 तक लेवल, तथा 28/32 से 29/40 तक 1:22 के फाल 30/1 से 32/24 तक 1:24 के राइज, 22/25 से 33/24 तक लेवल, 33/25 से 33/40 तक 1:24 के फाल 34/1 से 34/40 तक 1:24 के राइज, 25/1 से 36/8 तक 1:24 के राइज, 36/9 से 38/32 तक 1:24 के फाल, 38/33 से 39/40 तक लेवल, 40/1 से 40/32 तक 1:24 के फाल, 30/32 से 43/24 तक 1:30 के फाल, 43/25 से 45/24 तक लेवल, 44/26 से 46/24 तक 1:20 के राइज, 46/25 से 49/24 तक 1:24 के फाल के साथ संरेखन तवाघाट नारायण आश्रम मोटर मार्ग के कलम्फू खेत नामक स्थान पर जुड़ जाता है। इस सड़क संरेखन मे कुलागाड़, एलागाड़, गौताड़ी, स्योकुरी खेला गर्गुवा, सौप गाड़ दुखूगाड़, तथा खेत गाड़ के तलों की चौड़ाई क्रमशः 80 मी 30 मी 50 मी 14 मी 50 मी 90 मी 48 मी तथा 16 मी है। यह संरेखन चेतकलाधार एवं गर्गुवा के मध्य एक्विव लेण्ड स्लाइड जोन से गुजरता है। तथा जामुनी की पहाड़ी पर यह संरेखन तीव्र ढलान से होकर गुजरता है। जिसमें कहीं कहीं पर राक फाल होता है। यह संरेखन वन भूमि, पंचायती भूमि, निजी नाप

निजी वंजर भूमि से होकर गुजरता है। यह सड़क संरेखन अति दुर्गम गाँवों को आपस में जोड़ रहा है। प्रस्तावित सड़क संरेखन के भू-भाग की भूगर्भीय स्ट्रेटीग्राफी इस प्रकार है।

मिट्टी की परत
डेब्रिस
ग्रेनाइट नाइस
एम्फीथोलाइट नाइस
ग्रेनाइट नाइस
क्लोराइट सिस्ट
पोरफिशटिक ग्रेनाइट नाइस
गारनेटीफेरस क्लोराइट सिस्ट
पोरफिरिटिक ग्रेनाइट नाइस
ग्रेनाइट नाइस
क्लोराइट सिस्ट
ग्रेनाइट नाइस
क्लोराइट सिस्ट
ग्रेनाइट सिस्ट

उपरोक्त वर्णित चट्टानों में ग्रेनाइट नाइस, पोरफिरिटिक ग्रेनाइट नाइस एवं एम्फीथोलाइट नाइस कठोर श्रेणी के चट्टानों के अन्तर्गत हैं जो अधिकांश स्थलों पर मेसिव भी हैं।

5. स्थाईत्व का विचार:-

प्रस्तावित सड़क संरेखन के भू-भाग की संरचना, बनावट, भूकम्पीय, भूगर्भीय एवं पर्यावरण पारिस्थितिकी के अध्ययन के उपरान्त मोटर मार्ग क स्थाईत्व हेतु निम्न बिन्दुओं पर विचार करना अति आवश्यक है।

1. प्रस्तावित संरेखन मध्य हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र के अन्तर्गत है।
2. यह सड़क संरेखन 79 सूखे तथा 20 पेरिनियल नालों से होकर गुजरता है।
3. यह संरेखन पहाड़ी के उपरी भाग की ओर प्रस्तावित है।
4. यह पहाड़ी पर स्थित अति दुर्गम गाँवों को मुख्य मार्ग से जोड़ता है।
5. संरेखन के भाग में पंचायती वन, निजी नाप भूमि, एवं निजी बंजर भूमि है।
6. संरेखन के भाग के आस-पास पानी के श्रोत एवं पानी की पाइप लाइन भी हैं।
7. भूकम्प की दृष्टि से संरेखन का भाग जोन V के अन्तर्गत है।
8. सड़क संरेखन के प्रारम्भ में 2 हेयर पिन बैण्डस एवं बीच में 8 हेयर पिन बैण्डस प्रस्तावित हैं।
9. सड़क संरेखन का भाग उच्च तथा तीव्र पहाड़ी ढलान से होकर भी गुजरता है।
10. सड़क संरेखन के पेरिनियल नालों पर 16 मीटर से लेकर 90 मीटर के 8 पुल प्रस्तावित है।

11. सड़क संरेखन की कुल लम्बाई 49.600 किमी० है।
12. यह संरेखन गाँव में स्थित मकानों तथा पैदल रास्तों तथा इनके आस पास से भी होकर गुजरता है।
13. यह संरेखन चैतलकोट तथा कलम्फु पर लैण्ड स्लाईड के भाग से भी गुजरता है।
14. जम्कू के पास यह सड़क संरेखन माईकोहाइडिल हेतु निर्मित नहर पर तथा आस पास से होकर गुजरता है। यह नहर वर्तमान में क्षतिग्रस्त है।
15. सड़क संरेखन का ग्रेडिएन्ट 1:22 के राइज, 1:40 के राइज, 1:24 के राइज, 1:60 के राइज, 1:30 के फाल, 1:24 के फाल, 1:30 के राइज, 1:20 के राइज, 1:60 के फाल, 1:20 के फाल, 1:30 के फाल, 1:22 के राइज, एवं लेबल में प्रस्तावित है।

6. सुझाव:-

प्रस्तावित सड़क संरेखन के भू भाग की संरचना, बनावट, भूकम्पीय, भूगर्भीय एवं पर्यावरण पारिस्थितिकी के अध्ययन के उपरान्त मोटर मार्ग के निर्माण हेतु निम्न लिखित सुझाव दिये जाते हैं।

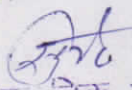
1. सूखे नालों पा स्कपर, डबल स्कपर का निर्माण किया जाय।
2. पेरिनियल नालों पर कर्वट्स, कॉजवे तथा पुलों का निर्माण किया जाय।
3. पेरिनियल भीपालड़ी पर 18 मी०, कुला तूषारपानी पर 30 मी०, एलागाड़ पर 44 मी०, गौताड़ी पर 30 मी०, स्योकुरी खोला पर 32 मी०, गर्गुवा गाड़ पर 18 मी०, सोंप गाड़ पर 16 मी०, दुखू गाड़ पर 90 मी० तथा खेत गाड़ पर 32 मी० विस्तार के स्टील र्गंडर पुलों का निर्माण किया जाय।
4. संरेखन के पास पड़ने वाले पानी के श्रोतों को संरक्षित किया जाय।
5. भूकम्पीय मानकों के अनुरूप उपाय किये जाय।
6. हेयर पिन बैण्ड्स को मानकों के अनुरूप ही निर्मित किया जाय तथा बैण्ड्स पर पानी की निकासी हेतु उपाय किये जाय।
7. उच्च तथा तीव्र ढलान पर मोटर मार्ग का निर्माण अण्डर कट के रूप में किया जा सकता है। इस दशा में रॉक बोल्टिंग विधि से चट्टानों को मजबूती प्रदान की जाय।
8. मोटर मार्ग के निर्माण से पूर्व उच्च एवं तीव्र ढलानों पर रुके तथा लटके बोल्डरों को गिराया जाय।
9. आवश्यकतानुसार ब्रेस्ट वाल तथा रिटेंनिंग वाल का निर्माण किया जाय।
10. पहाड़ी की ओर नालियों का निर्माण किया जाय।
11. उच्च तथा तीव्र ढलानों पर मोटर मार्ग के निर्माण के साथ ही पैरापिटों का निर्माण भी किया जाय।

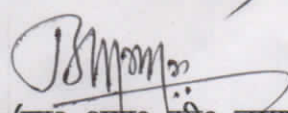
12. लैण्ड स्लाइड स्थलों पर मोटर मार्ग का निर्माण लैण्ड स्लाइड के उपरी भागों से किया जाय तथा वायर क्रेट दिवारों, चैक डैम्स का भी निर्माण किया जाय तथा साथ साथ ही पानी के निकासी हेतु उचित प्रबन्ध किये जाय।
13. मोटर मार्ग निर्माण के पश्चात पानी के गूलों, नहरों, तथा पानी की पाइप लाइनों को यथा स्थिति में लाया जाय।
14. गाँव के आस पास बिस्फोटक सामग्री का उपयोग न किया जाय।
15. अन्य स्थलों पर जहाँ बिस्फोट करना आवश्यक है में कन्ट्रोल ब्लास्टिंग विधि का उपयोग किया जाय।
16. पर्वतीय क्षेत्रों में बनने वाले मोटर मार्गों के निर्माण हेतु निधारित सिविल अभियांत्रिकी की मानकों एवं विशिष्टियों का अनुपालन किया जाय।

7. निष्कर्ष :-

उपरोक्त वर्णित बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए रॉथी-जुम्मा-खेला-गर्गुवा-खेत मोटर मार्ग का 49.600 किमी० की लम्बाई का निर्माण करना उचित एवं उपयुक्त प्रतीत होता है।

टिप्पणी:- सड़क संरेखन स्थल निरीक्षण के समय सम्बन्धित अधिकारियों के समक्ष विस्तृत विचार विमर्श किया गया। एक अन्य संरेखन का भी अध्ययन किया गया जो प्रस्तावित संरेखन से उपर की ओर कहीं कहीं पर पुराने पैदल रास्ते के आस पास से होकर गुजरता है। संरेखन में हेयर पिन बैण्ड्स अधिक होने तथा गाँवों से दूरी पर होने के कारण उपयुक्त नहीं पाया गया। यह भूगर्भीय अध्ययन एवं सर्वेक्षण 49.600 किमी० तक किया गया है जबकि स्वीकृति केवल 30 किमी० तक की है। आगे का भाग स्वीकृत होने पर इसी आख्या को उपयोग में लिया जा सकता है।

प्रमाणित प्रमाणित

 वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
 निर्माण खण्ड, ले० वि० वि०
 अस्कोट (पिथौरागढ़)


 (डा० आर० सी० उपाध्याय)
 भू वैज्ञानिक
 (डा० आर.सी. उपाध्याय)
 भू-वैज्ञानिक
 हिमाद्री-न्यू, रानीधारा टाप
 जल्मोड़ा 263601 (उत्तराखण्ड)